सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 81 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 25 अप्रैल, 2022
मूल्य ₹ 3/-

महंत नृत्य गोपाल दास

एक साहित्यिक प्रतिभा, कहा जाता है कि हर एक की तरह दिखती है, लेकिन उस जैसा कोई नहीं दिखता।
-सर्वपल्ली राधाकृष्णन

की हालत नाजुक... 8 | यूपी चुनाव में भाजपा के लिए... 3 | सपा आजम के साथ, जमानत के... 7

आजम-अखिलेश की रार में अब कांग्रेस भी कूदी

सपा की मुश्किलें बढ़ी

शिवपाल-सपा विधायक के बाद अब कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम भी मिलने पहुंचे

» कांग्रेस नेता ने आजम से की डेढ़ घंटे मुलाकात, भेंट की गीता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश यादव से पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां की नाराजगी की खबरों के बीच उनसे मुलाकात के लिए बड़े सियासी नेताओं के सीतापुर जेल पहुंचने का सिलसिला जारी है। शिवपाल यादव और सपा विधायक के बाद अब आजम खां से मिलने के लिए सीतापुर जेल पहुंचने वाले नेताओं में ताजा नाम आचार्य प्रमोद कृष्णम का है।

कांग्रेस नेता की आजम खां से डेढ़ घंटे की हुई मुलाकात ने सपा के लिए मुश्किलें बढ़ा दी है। सीतापुर जेल में बंद आजम खां से मिलने उनके शुभ चिंतक लगातार पहुंच रहे हैं। बीते कुछ दिनों से सभी अपने आप को आजम का हमदर्द बताकर उनके साथ खड़े रहने की बात कह रहे हैं। तीन दिन पहले शिवपाल यादव आजम खां से मिलने पहुंचे थे। बीते रविवार को सपा का प्रतिनिधिमंडल आजम से मिलने पहुंचा था, लेकिन आजम ने मिलने से मना कर दिया। वहीं आज कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम की आजम खां से करीब डेढ़ घंटे तक मुलाकात हुई। मुलाकात के बाद जेल से बाहर आए प्रमोद कृष्णम ने कहा, संत की सरकार में आजम खां पर जुल्म हुआ है। योगी की हुकूमत में आजम पर जुल्म अन्याय है। उन्होंने कहा कि जले में उन्होंने आजम खां को गीता भेंट की है।

जेल में आजम खां पर हो रहा जुल्म : रविदास

आजम खां से मिलने के लिए रविवार सुबह सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल सीतापुर जेल पहुंचा था। इसमें प्रदेश सचिव अनुज मिश्रा और 3 विधायक थे। रविदास मेहरोत्रा और अनुज मिश्रा को आजम से मिलने के लिए अनुमति दी गई। जब जेल अफसरों ने आजम से बताया कि सपा के कुछ नेता आपसे मिलने आए हैं, तो उन्होंने मिलने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद बिना आजम से मिले लौटे रविदास ने कहा कि आजम खां की तबीयत ठीक नहीं है। आरोप लगाया कि आजम को फांसी घर की कोठरी में बंद किया गया है। उन पर जुल्म और अत्याचार हो रहा है। भाजपा सरकार चाहती है कि आजम खान की जेल में मौत हो जाए।

“समाजवादी पार्टी आजम खां के साथ है। उनकी जमानत के लिए समाजवादी पार्टी पूरा प्रयास करेगी। भाजपा नहीं चाहती कि आजम खां जेल से बाहर आए।
- अखिलेश यादव, सपा प्रमुख

शिवपाल से मिले, लेकिन अपनी पार्टी के लोगों से नहीं

तीन दिन पहले यानी 22 जनवरी को शिवपाल यादव सीतापुर जेल पहुंचे थे। तब आजम की उनसे करीब एक घंटे तक मुलाकात हुई थी। आजम से जेल में मिलने के बाद शिवपाल ने कहा था कि आजम खान को राजनीति का लंबा अनुभव है। मैं उन्हें सीनियर नेता के तौर पर देखता हूं। आजम खान पर छोटे-छोटे मुकदमे हैं। सपा को उनकी लड़ाई लड़नी चाहिए थी, लेकिन नहीं लड़ी गई। आजम लोकसभा सदस्य भी रहे हैं। हम आजम खां के साथ हैं और वो हमारे साथ हैं।

योगी सरकार पार्ट टू : यूपी के तेज विकास पर सरकार का फोकस

» सरकार ने आम लोगों से जुड़ी समस्याओं का तैयार किया रोडमैप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार दूसरी बार सत्ता पर काबिज होने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने अपना 30 दिन का कार्यकाल आज पूरा कर दिया है। योगी सरकार पार्ट टू ने 30 दिन में ही 30 फैसले पर काम किया है। सरकार ने आम लोगों से जुड़ी समस्याओं का रोडमैप तैयार किया है। सरकार अपने दूसरे कार्यकाल में भाजपा के मिशन 2024 पर फोकस कर रही है।

25 मार्च को प्रदेश के मुख्यमंत्री के पद की लगातार दूसरी बार शपथ लेने के बाद से ही सीएम योगी ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार लाने के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई। अवैध निर्माण तथा काम के खिलाफ चलने वाला बुलडोजर यूपी चुनाव में भी बड़ा मुद्दा बना था। ऐसे में सरकार का बुलडोजर भी जमकर चल रहा है। पुलिस ने भी अपराधियों तथा रोमियो के खिलाफ अपने अभियान को गति दी। सरकार किसानों, महिलाओं, बेरोजगारों के साथ ही गरीबों के आवास पर जोर दिया है। प्रदेश सरकार की इन सभी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए अफसरों के साथ ही मंत्रियों की जिम्मेदारी भी तय की गई है। इनके काम को मुख्यमंत्री भी लगातार परख रहे हैं। एक महीने के कार्यकाल के दौरान सीएम योगी ने भाजपा के लोक कल्याण पत्र की वरीयता पर काम किया है।

एक महीने का कार्यकाल पूरा : जनता के हित में मुख्यमंत्री ने उठाए कई बड़े कदम

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही सीएम योगी ने पहली कैबिनेट बैठक में ही मुफ्त राशन योजना तीन महीने के लिए बढ़ा दी। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस नीति अपनाते हुए सोनभद्र व औरया के डीएम को सस्पेंड कर दिया। गाजियाबाद के एसएसपी पवन कुमार के साथ ही अन्य कई अधिकारी भी सरकार की रडार पर आ गए। सरकारी दफ्तरों में लेटलतीफी और फाइलों को टरकाने की कार्यशैली पर भी मुख्यमंत्री ने सख्त कदम उठाया। दो सौ करोड़ से अधिक की संपत्ति भी जब्त की। सौ से अधिक जगह बुलडोजर चले। सौ दिनों में 8000 करोड़ गन्ना भुगतान का आदेश दिया। आंगनबाड़ी, पुलिस दारोगा, होमगार्ड सहित कई विभागों में भर्ती निकालने के निर्देश दिए। पुलिस सुधार आयोग का कार्यकाल बढ़ा दिया। एंटी रोमियो स्काड फिर शुरू हुआ। यही नहीं, छह महीने में ही गरीबों के लिए 2.51 लाख आवास बनाने के भी निर्देश दिए। गरीब बेटियों की शादी के लिए अनुदान राशि एक लाख कर दी। छात्रों को टेबलेट और स्मार्टफोन बांटे। पूर्वी पाकिस्तान से आए 63 हिंदू परिवारों को घर व जमीन दी। नए धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर और माइक नहीं लगेगा जैसे सख्त फैसले लिए। धार्मिक जुलूसों पर रोक लगा दी। स्मार्ट सिटी की तर्ज पर स्मार्ट गांव विकसित होंगे। पुरोहित कल्याण बोर्ड का गठन करने के निर्देश दिए। सौ दिन की कार्ययोजना तैयार करने का भी निर्देश दिया। मंत्रियों को जिलों में रात्रि विश्राम के अलावा एसडीएम और सीओ को समस्या सुनने का निर्देश दिया। सरकारी स्कूलों में सौ प्रतिशत प्रवेश का लक्ष्य दिया। संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत की। वृद्ध महिलाओं को बसों में मुफ्त यात्रा के लिए कार्य योजना मांगी है। आईएएस और आईपीएस के ताबड़तोड़ तबादले भी किए। किसानों को एक लाख सोलर पंप देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मेडिकल कॉलेज में डाक्टर्स तथा मेडिकल छात्र-छात्राओं की संख्या बढ़ेगी। इसके अलावा सीएम योगी ने दो वर्ष में दस लाख करोड़ के निवेश का लक्ष्य रखा है।

विकास की धुरी ग्राम पंचायतों में बने मिनी सचिवालय : सीएम

» पंचायतों के विकास कार्य के लिए पैसे की कमी नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जालौन जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ग्राम पंचायतें विकास की धुरी हैं। सरकार की मंशा है कि हर ग्राम पंचायत में मिनी सचिवालय हो। यहां ग्रामीणों के सभी काम पूरे हो जाएं। मुख्यमंत्री राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के मौके पर ऐरी रमपुरा ग्राम पंचायत को राष्ट्रीय बाल मैत्री पुरस्कार मिलने के बाद यहां की सुविधाओं का निरीक्षण करने पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि ऐरी रमपुरा और कुरेपुरा कनार गांव की तरह प्रदेश की 58 हजार ग्राम पंचायतें कार्य करें तो निश्चित रूप से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ग्राम स्वराज की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।

इसमें सरकार पूरा सहयोग कर सकेगी। विकास कार्य के लिए पैसे की कमी नहीं है। यदि गांव के लोग सकारात्मक सोच के जरिए ग्राम प्रधानों और ग्राम सदस्यों के साथ काम करेंगे तो विकास जरूर होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव में मिशन शक्ति के तहत सप्ताह में एक दिन बैठक होनी चाहिए, जिसमें महिला सिपाही भी उपस्थित रहें। ताकि महिलाओं, बच्चियों को सशक्त किया

जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐरी रमपुरा की तरह मिनी सचिवालयों में सहायिका तैनात होनी चाहिए। साथ ही बीसी सखी हों, जो गांव के बैंकिंग से जुड़े सभी कार्य करें। मिनी सचिवालय वाईफाई से लैस हों ताकि गांव के लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए शहरों तक दौड़ न लगानी पड़े।

स्मार्ट सिटी की तर्ज पर बनाने होंगे स्मार्ट विलेज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्मार्ट सिटी के बाद अब प्रधानमंत्री की स्मार्ट विलेज बनाने की परिकल्पना साकार करनी होगी। गांवों के समग्र विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकारें प्रयास कर रही हैं। इसमें गांव के हर व्यक्ति को भागीदार बनना होगा। उन्होंने कहा कि उरई जिला मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर दूर डकोर ब्लाक के ऐरी रमपुरा ग्राम पंचायत में नगर पंचायत जैसी सुविधाएं है। शानदार पंचायत भवन में ही ग्रामीणों को आय, जाति, निवास, खसरा, खतौनी जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

भाजपा सरकार में जनता को मिल रही पर्याप्त बिजली : सोमेंद्र तोमर

» ऊर्जा राज्यमंत्री बोले- यूपी में ऊर्जा का पर्याप्त भंडार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने कहा कि 2017 से पहले बीमारू राज्य कहलाने वाला उत्तर प्रदेश अब विकास की राह पर अग्रसर है। पहले प्रदेश में बिजली कटौती को लेकर धरने प्रदर्शन होते थे, लेकिन अब बिजली को लेकर कहीं कोई धरना प्रदर्शन नहीं होता। भाजपा सरकार में जनता को पर्याप्त बिजली मिल रही है। ऊर्जा राज्यमंत्री डा. सोमेंद्र तोमर ने सहारनपुर में पत्रकारों से वार्ता करते हुए योगी सरकार के 2017 से 2022 तक कार्यकाल में हुए कार्यों को विस्तार से गिनाया।

उन्होंने ऊर्जा मंत्रालय के संबंध में कहा कि विभाग द्वारा लाइन लोस को गंभीरता से लिया जा रहा है। पहले की तरह बिजली की कटौती नहीं की जाती। यदि कहीं कटौती होती भी है तो उसका कोई तकनीकी कारण या तार आदि टूटने के कारण होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार जनहित में अच्छे कार्य कर रही है चारों और विकास के कार्य हो रहे हैं। भ्रष्टाचार पर रोक लग रही है। ऊर्जा मंत्री डा. सोमेंद्र तोमर ने कहा कि अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश से अच्छे खिलाड़ी निकल रहे हैं। मेजर ध्यानचंद खेल यूनिवर्सिटी के बनने से खिलाड़ियों को सुविधाएं मिलेगी और अच्छे खिलाड़ी निकलेंगे।

लखीमपुर कांड : सवालों के घेरे में एक दिन पहले ही आशीष मिश्रा का सरेंडर

» सुप्रीम कोर्ट से जमानत रद होने के बाद फिर जेल में मुख्य आरोपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीते वर्ष लखीमपुर खीरी में उपद्रव के बाद हिंसा में चार किसानों सहित आठ लोगों की मौत के मामले में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा मोनू को राहत नहीं है। इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मोनू की जमानत रद करने के साथ एक हफ्ते में सरेंडर करने का निर्देश दिया था। इसी क्रम में आशीष मिश्रा मोनू ने रविवार को सरेंडर कर दिया। इसके बाद पुलिस ने आशीष मिश्रा उर्फ मोनू को जेल भेज दिया है। मगर एक दिन पहले ही आशीष मिश्रा का सरेंडर सवालों के घेरे में आ गया, किसान इसे साजिश का हिस्सा बता रहे हैं।

मोनू ने सीजेएम कोर्ट में सरेंडर किया,

जहां से उसको जेल भेज दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने बीते 18 अप्रैल को आशीष की जमानत रद करने को लेकर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्र की जमानत रद कर दी थी तथा उन्हें समर्पण करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया था। लखीमपुर हिंसा के मुख्य आरोपित आशीष मिश्रा के बारे में माना जा रहा था कि वह 25 अप्रैल को सरेंडर करेगा। इसी बीच उसने रविवार को ही सीजेएम कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। अब उसके खिलाफ 26 अप्रैल को आरोप तय होंगे। 26 को डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में लखीमुर हिंसा के मुख्य आरोपी और गृह राज्यमंत्री के बेटे आशीष मिश्रा पर आरोप तय करने के लिए सुनवाई होनी है। आशीष मिश्रा को फरवरी के पहले हफ्ते में इलाहाबाद हाई कोर्ट के जमानत मिली थी जो कि सुप्रीम कोर्ट ने रद कर उसको एक हफ्ते में सरेंडर करने का निर्देश दिया था।

जेल में बेचैनी से कटी आशीष मिश्रा की पहली रात

लखीमपुर कांड के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को जेल के बैरक नंबर 21 में 7 दिनों के लिए क्वारंटाइन किया गया है। जेल सूत्रों के मुताबिक उसकी पहली रात बड़ी बेचैनी से कटी और वह पूरी रात सो नहीं पाया। बता दें कि पीछले साल 3 अक्टूबर को लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में हुए हिंसा में चार किसान समेत एक पत्रकार, ड्राइवर और दो बीजेपी कार्यकर्ताओं की हत्या हुई थी। किसानों और पत्रकार की हत्या मामले मेंआशीष मिश्रा समेत 14 लोगों को आरोपी बनाया गया हैं। आशीष मिश्रा को जेल में अन्य कैदियों से अलग क्वारंटाइन में रखा गया है।

उपचुनाव में मौका मिला तो जरूर लड़ूंगा चुनाव : निरहुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हिंदी सिनेमा के कॉमेडियन राजपाल यादव और भोजपुरी सिनेमा के अभिनेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ कल देर शाम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने उनके सरकारी आवास पर पहुंचे। इस दौरान सीएम योगी ने दोनों दिग्गज एक्टर्स ने श्रीराम की प्रतिमा और तस्वीर भेंट की। इस बात की जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर पोस्ट कर दी गई। बताया जा रहा है कि इस दौरान निरहुआ ने सीएम योगी को आजमगढ़ शहर के विकास के लिए मास्टर प्लान से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

दिनेश लाल यादव ने ट्वीट कर बताया कि उन्होंने आजमगढ़ के विकास के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने सीएम को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें जल निकासी, सड़कों के चौड़ीकरण, पुरानी

जेल की ज़मीन पर पार्क, मिनी शॉपिंग सेंटर, मल्टी लेवल पार्किंग जैसे मुद्दों से उन्हें अवगत कराया गया है। साथ ही सगड़ी विधानसभा के तहत देवारा इलाके में पुल निर्माण और पुलिस चौकी का निर्माण कराया जाना जरूरी है। दरअसल दिनेश लाल यादव लगातार आजमगढ़ के दौरे पर है। यहां की जनसमस्याओं से जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री को अवगत कराते रहते है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अगर उन्हें उपचुनाव के मैदान में उतारा तो वे चुनाव लड़ेंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

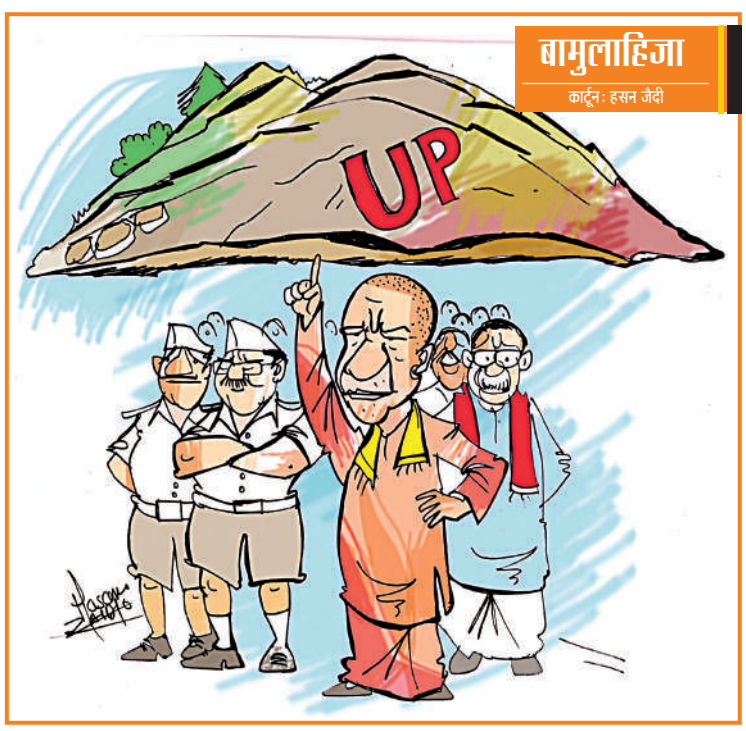

सालभर में छुट्टा मवेशियों से मिल जाएगी मुक्ति : धर्मपाल

» कैबिनेट मंत्री ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। साल भर में किसानों के साथ ही आम जनमानस को भी छुट्टा जानवरों से निजात मिल जाएगी। ये बातें कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहीं। कैबिनेट मंत्री ने पीडब्ल्यूडी के निरीक्षण भवन में गोवंशीय जानवरों को लेकर यह दावा किया और योगी सरकार की पूरी योजना बताई। पत्रकारों से बात करते हुए पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनीतिक पेंशन, अल्पसंख्यक कल्याण, वक्फ एवं हज तथा नागरिक सुरक्षा मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता है कि गोवंशों को आश्रय मिले।

कहा कि गोशालाओं को वृहद बनाया जाएगा। मंत्री ने कहा कि सरकार की योजना प्रदेश में गो-अभ्यारण्य बनाने

की है। हर ब्लॉक में गोशालाएं बनेंगी। इनके संचालन के लिए लोगों से दान लिया जाएगा। दूध के साथ गोबर व मूत्र से आय की जाएगी, जिसका उपयोग गोशाला के विकास के लिए किया जाएगा। दावा किया कि साल भर के अंदर न खेतों में छुट्टा जानवर दिखेंगे और न ही सड़कों पर। बताया कि पहली बार गायों के लिए यूपी में एंबुलेंस सेवा लागू की जा रही है। 1962 डायल करने पर एक घंटे के अंदर पशु चिकित्सा विभाग की टीम गोवंश का इलाज करने पहुंच जाएगी। टीम में डॉक्टर समेत तीन लोग होंगे।

चारागाह की जमीनों से हटेंगे कब्जे, चलेगा बुलडोजर

पशुधन एवं दुग्ध विकास धर्मपाल सिंह ने कहा कि सरकार आवारा मवेशियों के मुद्दे पर बेहद गंभीर है। हर गांव में चारागाह की जमीन सुरक्षित है। इन जमीनों की पैमाइश कराकर हरे चारे की बोआई करवाई जाएगी। इन पर अगर माफिया के कब्जे पाए जाएंगे तो बुलडोजर भी चलाया जाएगा। मंत्री ने कहा कि जल्द ही जमीनों की तलाश शुरू कर दी जाएगी। योगी सरकार मदरसों में फारसी-उर्दू की पढ़ाई नहीं रोक रही बल्कि इनके साथ अंग्रेजी, विज्ञान व तकनीकी शिक्षा भी दी जाएगी। नया पाठ्यक्रम लागू किया गया जाएगा।

यूपी चुनाव में भाजपा के लिए सहयोगी दलों के मुकाबले फायदेमंद रही बसपा

- पश्चिमी यूपी में जाट वोट बैंक पर भाजपा की पकड़ सपा-रालोद गठबंधन से ज्यादा मजबूत
- गठबंधन में सहयोगी अपना दल (एस) और निषाद पार्टी ने सिर्फ अपने लिए वोट बटोरे
- प्रदेश भाजपा के आंकलन में सामने आई सारी सच्चाई

4दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में भाजपा के लिए गठबंधन में सहयोगी अपना दल (एस) और निषाद पार्टी से ज्यादा फायदेमंद बसपा रही। बसपा का जाटव सहित दलित वोट बैंक भाजपा को हस्तांतरित हुआ। वहीं पश्चिमी यूपी में जाट वोट बैंक पर भाजपा की पकड़ सपा-रालोद गठबंधन से ज्यादा मजबूत साबित हुई है। पार्टी की ओर से विधान सभा चुनाव-2022 को लेकर तैयार की गई रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। प्रदेश नेतृत्व ने रिपोर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को सौंप दी है। यूपी चुनाव 2022 में बसपा ने 122 सीटों पर ऐसे उम्मीदवार मैदान में उतारे थे जो कि सपा उम्मीदवार की जाति के ही थे।

इनमें 91 मुस्लिम और 15 यादव उम्मीदवार थे। मुस्लिम-यादव (एमवाई) फैक्टर के अनुसार इन सीटों पर सपा की जीत की प्रबल संभावना थी लेकिन बसपा की ओर से सजातीय उम्मीदवार उतारने का फायदा भाजपा को मिला। नतीजन 122 में से 68 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। पार्टी का मानना है कि फरेंदा, सिराथू सहित करीब एक दर्जन से अधिक ऐसी सीटें हैं जहां कुर्मी वोट भाजपा को नहीं मिला जबकि कुर्मी वोट बैंक की राजनीति करने वाला अपना दल (एस) भाजपा के साथ था। अपना दल ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था इसमें से 12 सीटों पर जीत दर्ज की। इनमें भी दो सीटों पर दो हजार से कम और एक सीट पर पांच हजार से कम अंतर से जीते जबकि चार सीटें 5 पांच हजार से अधिक और एक सीट दो से पांच हजार के अंतर पर हारी। वहीं पूर्वांचल की कुछ सीटों पर निषाद समाज का वोट भी पूरी तरह भाजपा को नहीं मिला। निषाद पार्टी ने नौ सीटों पर चुनाव लड़ा था इसमें से छह सीटें जीती। शाहगंज से निषाद पार्टी के रमेश सिंह सिर्फ 719 वोटों से जीते। तीन सीटें दो से पांच हजार और एक सीट पांच हजार से अधिक मतों से हारी।

शहरी जाट भाजपा के साथ, ग्रामीण गठबंधन के पाले में

भाजपा की रिपोर्ट में सामने आया है कि पश्चिमी यूपी में जाट मतदाता शहरी और ग्रामीण में बंट गए। शहरी जाट मतदाताओं ने भाजपा को वोट दिया जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ सीटों पर जाटों का रुझान सपा-रालोद गठबंधन की ओर रहा। भाजपा ने 17 जाट उम्मीदवार मैदान में उतारे थे। इसमें से दस चुनाव जीते। वहीं सपा-रालोद गठबंधन ने भी 17 जाट उम्मीदवार उतारे थे लेकिन उनके 7 ही जाट उम्मीदवार जीते। इनमे सपा के तीन और रालोद के चार जाट विधायक हैं।

किसान आंदोलन के बाद भी अपेक्षा से अच्छे परिणाम

भाजपा का मानना है कि पहले चरण में उन जिलों में चुनाव हुआ था जहां किसान आंदोलन का सबसे ज्यादा असर था लेकिन वहां भी चुनाव परिणाम भाजपा के लिए अपेक्षा से अधिक अच्छा रहा। भाजपा को पहले चरण में 58 में से 46 सीटों पर जीत मिली। वहीं लखीमपुर में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे की कार की टक्कर से किसानों की मौत के बाद हुए हंगामे और आंदोलन के बाद भी लखीमपुर की सभी सीटें भाजपा ने जीती है। विपक्ष का लखीमपुर में खाता तक नहीं खुला।

अखिलेश-जयंत की जोड़ी का ज्यादा असर नहीं

भाजपा ने रिपोर्ट में साफ किया है कि पश्चिमी यूपी में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और रालोद के प्रमुख जयंत चौधरी की जोड़ी का ज्यादा असर नहीं दिखा। पश्चिमी यूपी में किसान आंदोलन के गढ़ से जुड़ी 30 सीटों पर चुनाव लड़ने के बाद भी रालोद केवल 8 सीटें ही जीत सका। भाजपा ने रिपोर्ट में माना है कि सपा की ओर सवर्ण वोट शिफ्ट हुआ है। सपा ने जहां सवर्ण उम्मीदवार को टिकट दिया था वहां उम्मीदवार की जाति का सवर्ण वोट सपा को मिला है।

एमवाई फैक्टर से हारे मुरादाबाद मंडल

भाजपा का मानना है कि मुरादाबाद मंडल में सपा के मुस्लिम-यादव (एमवाई) फैक्टर और रालोद के जाट वोट बैंक के कारण भाजपा को अपेक्षित परिणाम नहीं मिला।

सातवें चरण में राजभर और अन्य वोट नहीं मिले

भाजपा की रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि सातवें चरण में आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर में सपा ने भाजपा को इसलिए टक्कर दी क्योंकि इन जिलों में भाजपा को राजभर और अन्य समाजों का वोट नहीं मिला। उल्लेखनीय है कि इन जिलों में मुस्लिम, यादव के बाद निषाद और कुर्मी मतदाता भी बड़ी संख्या में है।

आजम खां की नाराजगी को भुनाने में जुटे छोटे दल, सपा नेता को पाले में करने की कवायद

- कोई लिख रहा चिट्ठी, कोई पार्टी में शामिल होने का दे रहा न्योता
- आजम के जरिए मुस्लिमों को अपने पाले में खींचने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच चल रही नाराजगी को अब छोटे दल भुनाने में लगे हैं। उनसे नजदीकी बढ़ाने के लिए मुलाकात कर रहे हैं। अपनी पार्टी में आने का न्योता भी दे रहे हैं। मौजूदा हालात को देखते हुए लोग कयास लगा रहे हैं कि आजम खां सपा छोड़ सकते हैं और छोटे दलों के साथ मिलकर नया मोर्चा बना सकते हैं। आजाद समाज पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष अब्बास गाजी भी आजम खां के घर पहुंचे। इसके अलावा अखिलेश यादव से खफा चल रहे उनके चाचा शिवपाल यादव ने सीतापुर जेल पहुंचकर आजम खां से मुलाकात की। इससे पहले असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने आजम खां को पत्र भेजकर अपनी पार्टी में आने का न्योता दिया। ये सभी नेता आजम खां के परिवार पर जुल्म ज्यादती होने की बात कर रहे हैं। गौरतलब है कि आजम खां दो साल से भी ज्यादा समय से जेल में बंद हैं। इनके खिलाफ 87 मुकदमे विचाराधीन हैं। एक मामले में जमानत होना बाकी है। उनके बेटे विधायक अब्दुल्ला के खिलाफ भी 43 मुकदमे हैं। वह 23 माह जेल में रहने के बाद बाहर आए। इसी तरह आजम खां की पत्नी के खिलाफ भी 34 मुकदमे हैं। वह 10 माह बाद जेल से छूट सकीं लेकिन जो नेता अब मिल रहे हैं, पहले वे उनसे मिलने नहीं आए।

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में मिली हार के बाद सपा में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव से वरिष्ठ नेता आजम खां की नाराजगी सामने आने के बाद कई मुस्लिम नेताओं ने भी बगावती सुर दिखाने शुरू कर दिए है। वहीं मुस्लिमों का वोट अपने पाले में करने के लिए अब छोटे दलों के नेता आजम खां को अपने पाले में करने की जुगत लगा रहे हैं। यही नहीं छोटे दल उन्हें अपनी पार्टी में शामिल करने का न्योता तक दे चुके हैं।

सपा नेता आजम खां और पार्टी

सहारे की जरूरत

राजनीति के जानकार मान रहे हैं कि अब आजम खां सपा से किनारा कर सकते हैं। ऐसे में उन्हें भी दूसरे दलों के सहारे की आवश्यकता होगी जबकि छोटे दलों को आजम खां की भी जरूरत हैं क्योंकि आजम खां की गिनती प्रदेश के बड़े मुस्लिम नेताओं में होती है। वह रामपुर शहर से 10 वीं बार विधायक चुने गए हैं। लोक सभा और राज्य सभा सदस्य भी रहे हैं। उनकी पतनी भी विधायक व सांसद रह चुकी हैं। बेटे अब्दुल्ला दूसरी बार विधायक चुने गए हैं।

ऐसे जाहिर हुई नाराजगी

सप्ताहभर पहले आजम खां के मीडिया प्रभारी फसाहत अली खां शानू ने सपा मुखिया अखिलेश यादव के खिलाफ बयान दिया था कि उन्हें हमारे कपड़ों से बदबू आती है। आजम खां को नेता प्रतिपक्ष भी नहीं बनाया गया। उनके इस बयान के बाद से आजम समर्थकों के निशाने पर अखिलेश यादव आ गए। इसके बाद कई मुस्लिम नेताओं ने सपा प्रमुख पर मुस्लिमों की अनदेखी के आरोप लगाए।

जयंत ने भी की थी मुलाकात

राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने रामपुर पहुंचकर आजम खां की पत्नी पूर्व सांसद डा. तजीन फातमा और बेटे विधायक अब्दुल्ला आजम से मुलाकात की। इस पर कयास लगाए जा रहे थे कि अखिलेश के इशारे पर वे आजम खां के परिवार से मिलने गए थे लेकिन सपा प्रमुख ने साफ कर दिया कि जयंत को उन्होंने नहीं भेजा है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बेलगाम अपराधी और लचर सिस्टम

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आठ दिनों के भीतर दो बड़े हत्याकांड हुए। दोनों ही मामलों में परिवार के पांच-पांच लोगों की हत्या कर दी गयी। इसके अलावा इस अवधि के दौरान प्रदेश के कई जिलों में हत्या, लूट, अपहरण, रेप जैसी वारदातें हुईं। ये घटनाएं यह बताने के लिए काफी है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था किस राह पर है।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आठ दिनों के भीतर दो बड़े हत्याकांड हुए। दोनों ही मामलों में परिवार के पांच-पांच लोगों की हत्या कर दी गयी। इसके अलावा इस अवधि के दौरान प्रदेश के कई जिलों में हत्या, लूट, अपहरण, रेप जैसी वारदातें हुईं। ये घटनाएं यह बताने के लिए काफी है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था किस राह पर है। सवाल यह है कि अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति और ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बावजूद प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद क्यों हैं? जघन्य अपराध बढ़ते क्यों जा रहे हैं? क्या अपराधियों के मन से खाकी का खौफ खत्म हो चुका है? कड़े कानून भी बेअसर क्यों हो गये हैं? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे सिस्टम को चौपट कर दिया है? क्या पुलिस अपराधियों के सामने पस्त हो चुकी है? क्या बिगड़ती कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत सरकार को महसूस नहीं हो रही है?

उत्तर प्रदेश में आए दिन लूट, हत्या, बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं। अपराधी अपराधों को अंजाम देकर आराम से फरार हो जाते हैं और इन्हें पकड़ने में पुलिस के पसीने छूट जाते हैं। संगठित अपराधों का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद अपराधियों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक हत्या और महिला अपराधों के मामले में उत्तर प्रदेश की हालत सबसे बदतर है। 2020 की रिपोर्ट के मुताबिक हत्या और दहेज हत्या के मामलों में यूपी नंबर वन पर रहा। इस साल इसके कुल 3779 केस रजिस्टर्ड किए गए। रेप के मामले में यह राजस्थान के बाद दूसरे स्थान पर रहा। इसके कुल 2769 केस दर्ज किए गए थे। ताजा हालातों को देखते हुए साफ है कि इस ग्राफ में तेजी से इजाफा हो रहा है। बढ़ते अपराधों के लिए पुलिस की लापरवाह कार्यप्रणाली कम जिम्मेदार नहीं है। कई मामलों में कई पुलिसकर्मी तक अपराधों में लिप्त पाए गए हैं। अपने थाना क्षेत्रों में कम अपराध दिखाने के लिए थानों में एफआईआर दर्ज करने में भी कोताही की जाती है। अपराधियों से साठगांठ के मामले भी सामने आ चुके हैं। इसके कारण अपराधियों में खाकी का खौफ खत्म होता जा रहा है और वे बेखौफ होकर अपराधों को अंजाम दे रहे है। आज भी कई संगीन अपराधों का पर्दाफाश नहीं हो सका है और इसकी फाइलें थाने में धूल खा रही हैं। यदि सरकार वाकई प्रदेश में अपराधों को कम करना चाहती है तो वह बेहतर और स्मार्ट पुलिसिंग की व्यवस्था करे साथ ही महकमे के भ्रष्ट कर्मियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करे। सरकार को यह समझना होगा कि बिगड़ती कानून व्यवस्था प्रदेश के विकास के लिए बाधक साबित होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सौहार्द का अतिक्रमण न करे ये आजादी

विश्वनाथ सचदेव

अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार जनतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है और इस अधिकार का विवेकसम्मत उपयोग जनतंत्र की सबसे ज्वलंत सार्थकता है। संविधान ने हमें यह अधिकार दिया है, और संसद से लेकर सड़क तक हम इसका उपयोग भी कर रहे हैं, लेकिन क्या यह उपयोग विवेक सम्मत है? इस सवाल का जवाब इस बात पर निर्भर करता है कि सवाल किससे पूछा गया है। इस संदर्भ में हर व्यक्ति स्वयं को सही साबित करने पर तुला हुआ है। इसका नवीनतम उदाहरण धर्म के नाम पर हुए उपद्रवों से मिल सकता है।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ अल्पसंख्यकों के छोटे-छोटे बयान दिये गये हैं, जिनमें वे अत्यंत उग्र लहजे और भाषा में बहुसंख्यकों के खिलाफ जहर उगलते सुनाई दे रहे हैं। यह कहना मुश्किल है कि ये बयान या धमकियां हाल की हैं या पहले की। यह भी संभव है कि तकनीकी कौशल से इन्हें यह रूप दिया गया हो लेकिन यह तय है कि इस वीडियो का उद्देश्य देश में सांप्रदायिकता का जहर फैलाना है। विवेकशील व्यक्ति ऐसे उकसाने से संयम नहीं खोते। ऐसे प्रयासों से हमें उत्तेजित भी नहीं होना चाहिए। वीडियो में जो कुछ कहा जा रहा था, वह तो गलत था ही, जिस तरह इसे वायरल किया जा रहा है वह भी किसी भी दृष्टि से सही नहीं कहा जा सकता। यह अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग ही नहीं, एक जघन्य अपराध भी है और इसकी सजा मिलनी ही चाहिए। पर, ऐसी ही सजा के भागीदार वे कथित साधु-संत भी हैं जो धर्म-संसद के नाम पर विष घोलने वाले मंचों से दहाड़ना अपना अधिकार मानते हैं। ऐसे किसी भी कथित अधिकार के खिलाफ आवाज उठनी चाहिए। धर्म के नाम पर हिंसा फैलाने या जहर उगलने का अधिकार किसी को नहीं मिल सकता। हाल ही में पहले रामनवमी के अवसर पर और फिर हनुमान जयंती के दिन जिस तरह दिल्ली में दो संप्रदायों के बीच संघर्ष कराने की कोशिशें हुई वे भी इस बात का ही उदाहरण हैं कि सांप्रदायिकता फैलाने वाले कोई अवसर छोड़ना नहीं चाहते। महाराष्ट्र के एक नेता ने हाल ही में चेतावनी दी है कि यदि अमुक तारीख तक धर्मविशेष के आराधना स्थलों से लाउडस्पीकर नहीं हटाये गये तो वे अपने अनुयायियों के साथ उनके सामने माइक पर सामूहिक धार्मिक पाठ करेंगे। सवाल उठता है, क्या इससे समस्या का समाधान होगा? उनकी समस्या यह है कि सवेरे-सवेरे और बाद में दिन में भी लाउडस्पीकर की आवाज से उन्हें

कष्ट होता है। ध्वनि-प्रदूषण होता है।

देखा जाये तो यह शिकायत गलत नहीं है पर इसका जो समाधान नेताजी सुझा रहे हैं, वह भी सही नहीं है। माइक पर धार्मिक पाठ से भी तो ध्वनि-प्रदूषण फैलेगा। अदालती निर्णय यह था कि अजान या आरती के लिए या फिर सार्वजनिक स्थानों पर यदि लाउडस्पीकर का उपयोग होता है तो उसकी ध्वनि-सीमा सीमित होनी चाहिए। न्यायालय ने यह भी बताया था कि यह सीमा इतने डेसिबल से अधिक नहीं होनी चाहिए। सवाल उठता है न्यायालय के इस निर्णय का पालन क्यों नहीं हो रहा? निर्णय लागू कराने वाली एजेंसियां इस संदर्भ में मौन साधे क्यों बैठी हैं? वहीं एक केंद्रीय मंत्री ने दिल्ली में हुए टकराव के बाद धार्मिक जुलूस निकालने के अधिकार का हवाला देते हुए कहा था कि यदि रामनवमी या हनुमान जयंती का जुलूस भारत में नहीं निकलेगा तो क्या बांग्लादेश या पाकिस्तान में निकाला जायेगा? जी हां, आपको धार्मिक पर्व मनाने का पूरा अधिकार है पर स्वतंत्रता के अधिकार के बारे में यह बात अक्सर कही जाती है कि 'आपकी स्वतंत्रता वहां समाप्त हो जाती है, जहां मेरी नाक शुरू होती है। स्वतंत्रता की यह सीमा-रेखा हमें समझनी होगी।

अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता गलत नहीं है लेकिन जनतांत्रिक मूल्यों का तकाजा है कि हम दूसरे के अधिकारों का भी सम्मान करें। यदि किसी की सुबह की नींद में खलल पड़ती है तो अजान की आवाज का स्तर कम रखने में एतराज नहीं होना चाहिए और यदि जुलूस निकालने के मेरे अधिकार से नमाज में कोई बाधा आती है तो मुझे जुलूस में डीजे बजाने का मोह छोड़ने में तकलीफ नहीं होनी चाहिए। एक-दूसरे के धार्मिक कार्यक्रमों में भागीदारी हमारे देश की परम्परा रही है। आज भी हम सबका साथ और सबका प्रयास का नारा लगाते हैं। यह सिर्फ नारा नहीं होना चाहिए, यह हमारा विश्वास होना चाहिए। जयश्री राम और अल्ला हो अकबर का मतलब एक ही है। हमें यह बात समझनी होगी। किसी की घटिया और जहरीली तकरीर सुनकर खून खौलाने की आवश्यकता नहीं है। एक दूसरे के अधिकारों का सम्मान करना ही लोकतंत्र की मूल भावना है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती

मार्च, 2022 में भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई या खुदरा महंगाई 6.95 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गयी जो पिछले 17 महीनों का उच्चतम स्तर था। यह लगातार तीसरा ऐसा महीना था जब खुदरा महंगाई मौद्रिक नीति समिति के चार प्रतिशत के लक्ष्य से अधिक रही। हालांकि, बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देश में भी खुदरा महंगाई उच्चतम स्तर पर है।

सतीश सिंह

रूस-यूक्रेन युद्ध और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी विकास दर के नौ प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है जो पूर्व में 9.5 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2023 के लिए आईएमएफ ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 8.5 प्रतिशत से बढ़ाकर नौ प्रतिशत कर दिया है। वैसे, आईएमएफ यह अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक समेत कई देसी एवं विदेशी एजेंसियों के अनुमानों से बेहतर है। केंद्रीय बैंक ने जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को 7.8 प्रतिशत से घटाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है, जबकि विश्व बैंक ने 8.7 प्रतिशत से घटाकर आठ प्रतिशत कर दिया है। विश्व बैंक के अनुसार भारत में रोजगार की स्थिति दयनीय बनी हुई है, जिससे लोगों की आय में कमी हुई है और बढ़ती महंगाई से लोगों की क्रय शक्ति में कमी आ रही है।

मार्च, 2022 में भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई या खुदरा महंगाई 6.95 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गयी जो पिछले 17 महीनों का उच्चतम स्तर था। यह लगातार तीसरा ऐसा महीना था, जब खुदरा महंगाई मौद्रिक नीति समिति के चार प्रतिशत के लक्ष्य से अधिक रही। हालांकि, बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देश में भी खुदरा महंगाई उच्चतम स्तर पर है। अमेरिका में यह 8.5 प्रतिशत है जो 40 वर्षों का उच्चतम स्तर है जबकि यूरो क्षेत्र में यह 7.5 प्रतिशत है। इन देशों में औसत खुदरा महंगाई पहले दो प्रतिशत से भी कम रहती थी. ब्रिक्स देश ब्राजील में यह 11.3 प्रतिशत है जबकि रूस में 16.7 प्रतिशत। सिर्फ चीन में खुदरा महंगाई 1.5 प्रतिशत है, जो दुनिया में सबसे कम है। एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) ने वित्त वर्ष 2023 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। एडीबी के अनुसार भारत की मौजूदा राजकोषीय नीति से भारत में विकास को बल मिलेगा और पूंजीगत व्यय में वृद्धि करने की नीति पर चलने से भारत की लॉजिस्टिक्स एवं आधारभूत संरचना में बेहतरी आयेगी। देसी रेटिंग एजेंसी इक्रा ने जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को आठ प्रतिशत से घटाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। भारत की जीडीपी वृद्धि दर दुनिया में सबसे बेहतर है। वित्त वर्ष 2022 में जीडीपी वृद्धि दर के 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है जबकि 5.5 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान के साथ चीन दूसरे स्थान पर है। अमेरिका में तीन प्रतिशत और यूरो क्षेत्र में यह अनुमान 3.3 प्रतिशत है। रूस में जीडीपी वृद्धि दर में 10.1 प्रतिशत तक की गिरावट आने का अनुमान है। भारत के लिए महंगाई पर काबू पाना और जीडीपी वृद्धि दर की मौजूदा रफ्तार को कायम रखना आसान नहीं होगा। हालांकि, कर संग्रह और निर्यात के मोर्चे पर भारत ने अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है। महंगाई बढ़ती रही और वैश्विक स्तर पर कारोबार धीमा रहा तो कर संग्रह और निर्यात दोनों में भारत पिछड़ सकता है। रुपया मजबूत मुद्राओं में से एक बना हुआ है। विगत 12 महीनों में डॉलर के मुकाबले में रुपये में सिर्फ 1.4 प्रतिशत की गिरावट आयी है। फिलहाल, भारत के साथ-साथ चीन, ब्राजील, इंडोनेशिया, मैक्सिको आदि की मुद्राएं डॉलर की तुलना में मजबूत बनी हुई हैं। वैश्विक रेटिंग एजेंसी स्टैंडर्ड एंड पूअर्स के अनुसार, कच्चे तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचती है तो भारत, फिलीपींस और थाईलैंड का चालू खाते का घाटा 2022 में जीडीपी के पांच प्रतिशत से ऊपर जा सकता है। इन देशों में पूंजी पलायन का खतरा उत्पन्न हो सकता है। उच्च आयात बिल के कारण 2021-22 की तीसरी तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा जीडीपी का 2.7 प्रतिशत रहा, जो सितंबर तिमाही में 1.3 प्रतिशत था। अमेरिकी फेड द्वारा नीतिगत दरों में इजाफे की आशंका से एशिया के बाजारों से पूंजी निकासी बढ़ गयी है। फेड ने मार्च में नीतिगत दरों में 25 आधार अंकों का इजाफा किया था। इस आधार पर एसएंडपी ने फेड द्वारा 2022 में सात दफा नीतिगत दरों में वृद्धि करने का अनुमान जताया है जबकि वर्ष 2023 में चार से पांच बार।

मौजूदा परिप्रेक्ष्य में सरकार के पास महंगाई को रोकने के लिए बहुत ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं क्योंकि वह पहले से कोरोना महामारी की वजह से वित्तीय संकट से जूझ रही है। यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध के कारण और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उल्लेखनीय वृद्धि से भारत की आर्थिक स्थिति और भी कमजोर हो गयी है। चीन में फिर से कोरोना महामारी के फैलने की खबर है। भारत में भी चौथी लहर के आने की आशंका है। ये संकेत जरूर नकारात्मक हैं। फिर भी, कर संग्रह में वृद्धि, निर्यात के मोर्चे पर आयी अभूतपूर्व तेजी, कुल ऋण में विदेशी मुद्रा ऋण की हिस्सेदारी में कमी, सरकार और केंद्रीय बैंक द्वारा समय-समय पर उठाये गये समीचीन कदमों से भारतीय अर्थव्यवस्था संकट के इस दौर में भी मजबूत बनी हुई है।

छुट्टियों में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो जा सकते हैं सिक्किम

भारत के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित सिक्किम शहर अपने भव्य पहाड़ों, सुंदर झरनों और दर्शनीय मठों के लिए मशहूर है। यह एक छोटा सा खूबसूरत शहर है, जहाँ देश-विदेश से सैलानी घूमने आते हैं। सिक्किम में बहुत से प्रमुख पर्यटन स्थल हैं जो यहाँ आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अगर आप छुट्टियों में कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो सिक्किम जा सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको सिक्किम के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में बताएंगे।

लाचुंग

इस खूबसूरत पहाड़ के गांव में सेब के बाग हैं और यहां 19वीं सदी का लाचुंग मठ भी है। लाचुंग का मुख्य आकर्षण युमथांग घाटी या फूलों की घाटी है। यह घाटी अपने झरनों, नदियों, खिले हुए फूलों, घास के मैदानों, देवदार के घने जंगलों और चांदी के देवदार पहाड़ों से घिरे हिमालय के पहाड़ों के लिए प्रसिद्ध है। प्रकृति-प्रेमियों के लिए युमथांग घाटी, पृथ्वी पर किसी स्वर्ग से कम नहीं है।

गुरुडोंगमार झील

उत्तरी सिक्किम में 17,800 फीट की ऊंचाई पर स्थित, गुरुडोंगमार झील दुनिया की सबसे ऊंची झीलों की सूची में अपना नाम शामिल करती है। अपनी लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ यह झील धार्मिक महत्व भी प्रदान करती है क्योंकि इस झील के पानी को हीलिंग पावर माना जाता है। यह झील आपको कंचनजंगा का एक सुंदर दृश्य भी प्रदान करती है।

त्सोगो लेक

यह पूर्वी सिक्किम में एक हिमाच्छादित झील है। यह सिक्किम के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। झील के अलावा, यहां आप ब्राह्मणी बत्तख, नीले और पीले रंग के फूल और विदेशी याक देख सकते हैं।

युक्सोम

पश्चिम सिक्किम का एक ऐतिहासिक शहर है। यह एक ऐसी जगह है जहां आप ट्रेक कर सकते हैं। वहीं, अगर आप एकांत में कुछ समय बिताना चाहते हैं तो यहां आप प्रकृति की गोद में समय बिता सकते हैं। युक्सोम के अन्य आकर्षण करेंदों में नॉर्बुगंग पार्क, ताशी तेनका, डबडी मठ और कथोक वोडसलिन मठ शामिल हैं।

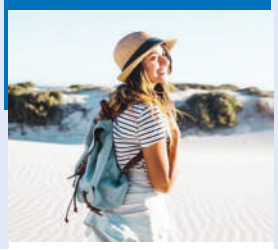

रवंगला

रावंगला एक पर्यटक शहर है जो गंगटोक और पेलिंग के बीच स्थित है। यहां के प्रसिद्ध बुद्ध पार्क में एक 130 फुट ऊंची गोल्डन बुद्ध की मूर्ति है। इस जगह पर अन्य मठ हैं जहां आप बौद्ध भिक्षुओं को उनकी प्रार्थना का जप करते हुए सुन सकते हैं। रवांगला से नामची तक, आप टेमी टी गार्डन पाएंगे, जो आपको ताजगी से भर देगा।

लाचेन

लाचेन, उत्तरी सिक्किम में स्थित है। यह शहर ज्यादा आबादी वाला नहीं है और यही वजह है कि यहां की प्राकृतिक सुंदरता अभी भी बरकरार है। यहां के प्रमुख आकर्षण गुरुडोंगमार झील, त्सो ल्हामो झील, और थांगू घाटी हैं।

हंसना मना है

गटरू पैराशूट बेच रहा था... हवाई जहाज से कूदो, बटन दबाओ और जमीन पर सुरक्षित पहुंचाओ... ग्राहक: अगर पैराशूट नहीं खुला तो...? गटरू: तो पैसे वापस कर दूंगा।

पहला लड़का: तुम चाय पीने के लिए किस हद तक जा सकते हो? दूसरा लड़का: एक बार तो लड़की तक देखने चला गया था।

टीचर: 'भाईचारा' शब्द का प्रयोग करते हुए कोई वाक्य बनाओ? मिट्टू: मैंने दूध वाले से पूछा- तुम दूध इतना महंगा क्यों बेचते हो तो वह बोला भाई चारा महंगा हो गया है।

आलसी लड़का: पापा एक गिलास पानी देना। पापा: खुद उठकर पी ले... लड़का: प्लीज, दे दो ना... पापा : अब अगर पानी मांगा तो थप्पड़ मारूंगा। लड़का : थप्पड़ मारने आओ तो पानी लेते आना।

एक शराबी बीमार हुआ तो डॉक्टर के पास गया और बोला: डॉक्टर साहब मैं कुछ बीमार रहने लगा हूं... डॉक्टर बोला: तुम्हारा लिवर फूल गया है। शराबी: इसका मतलब यह हुआ कि अब इसमें और ज्यादा दारू आ सकती है। डॉक्टर चुप और शराबी खुश।

पति-पत्नी में झगड़ा हुआ, पति घर से चला गया, पति: रात को फोन पर,खाने मे क्या है पत्नी: ज़हर। पति: मैं देर से आऊंगा, तुम खाकर सो जाना।

कहानी — बुद्धिमान् वानर

हजारों साल पहले किसी वन में एक बुद्धिमान बंदर रहता था। वह हजार बंदरों का राजा भी था। एक दिन वह और उसके साथी वन में कूदते-फांदते ऐसी जगह पर पहुंचे, जिसके निकट क्षेत्र में कहीं भी पानी नहीं था। नयी जगह और नए परिवेश में प्यास से व्याकुल नन्हे वानरों के बच्चे और उनकी माताओं को तड़पते देख उसने अपने अनुचरों को तत्काल ही पानी के किसी स्रोत को ढूंढने की आज्ञा दी। कुछ ही समय के बाद उन लोगों ने एक जलाशय ढूंढ निकाला। प्यासे बंदरों की जलाशय में कूद कर अपनी प्यास बुझाने की आतुरता को देख कर वानरराज ने उन्हें रुकने की चेतावनी दी, क्योंकि वे उस नये स्थान से अनभिज्ञ था। अत: उसने अपने अनुचरों के साथ जलाशय और उसके तटों का सूक्ष्म निरीक्षण व परीक्षण किया। कुछ ही समय बाद उसने कुछ ऐसे पदचिह्नों को देखा जो जलाशय को उन्मुख तो थे मगर जलाशय से बाहर को नहीं लौटे थे। बुद्धिमान् वानर ने तत्काल ही यह निष्कर्ष निकाला कि उस जलाशय में निश्चय ही किसी खतरनाक दैत्य जैसे प्राणी का वास था। जलाशय में दैत्यवास की सूचना पाकर सारे ही बंदर हताश हो गये। तब बुद्धिमान वानर ने उनकी हिम्मत बंधाते हुए यह कहा कि वे दैत्य के जलाशय से फिर भी अपनी प्यास बुझा सकते हैं। क्योंकि जलाशय के चारों ओर बेंत के जंगल थे, जिन्हें तोड़कर वे उनकी नली से सुड़क-सुड़क कर पानी पी सकते थे। सारे बंदरों ने ऐसा ही किया और अपनी प्यास बुझा ली। जलाशय में रहता दैत्य उन्हें देखता रहा। मगर क्योंकि उसकी शक्ति जलाशय तक ही सीमित थी, वह उन बंदरों का कुछ भी नहीं बिगाड़ सका। प्यास बुझा कर सारे बंदर फिर से अपने वन को लौट गये।

11 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है मुमकिन है कि आप जरूरत से जयादा खर्च करें या आपका बटुआ खो भी सकता है। ऐसे मामलों में सावधानी की कमी आपको नुकसान पहुंचा सकती है।

वृषभ

पार्टनर की वजह से समाज और रिश्तेदारों में उनका भी मान बढ़ेगा। पार्टनर की उपलब्धियों को सेलिब्रेट करने के लिये आज आप घर में पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। आपको फायदा होगा।

मिथुन

अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें, इससे जो निष्कर्ष निकलेगा, उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी। साथ ही अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नहीं रखते।

कर्क

परेशानियों के बारे में सोचते रहने और तिल का ताड़ करने की आपकी आदत आपके नैतिक ताने-बाने को कमजोर कर सकती है। आज सिर्फ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इजाफा कर सके।

सिंह

आज आपका दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। कार्यशैली में बदलाव होगा। धनलाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। भवन बदलने के योग हैं। सांसारिक मोह माया से दूर रहें। अपने व्यवहार से लोगो को खुश करेंगे।

कन्या

आपकी तरक्की को देखकर पड़ोसियों के बीच आपका मान-सम्मान पहले की अपेक्षा ओर ज्यादा बढ़ जाएगा। इस राशि के जो स्टूडेंट्स खेलकूद में इंटरेस्ट रखते है आज का दिन उनके लिए अच्छा रहेगा।

तुला

दफ्तर में अपनी गलती स्वीकार करना आपके पक्ष में जाएगा। लेकिन आपको इसे सुधारने के लिए विश्लेषण की जरूरत है। आपकी वजह से जिसे नुकसान हुआ हो, उससे माफी मांगने की जरूरत है।

वृश्चिक

किसी दोस्त के साथ गलतफहमी अप्रिय हालात खड़े कर सकती है। कारगर व्यक्ति से भेंट होगी। योग्य व्यक्ति समस्याओं को सुलझाएगा। सामाजिक कार्यों से मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु

आज कोई भी फैसला अपनी सोच-विचार से ही लें। किसी ओर के द्वारा लिया गया निर्णय आपके लिए नुकसानदेह हो सकता है। सामूहिक काम निपटाने के लिहाज से दिन अच्छा है।

मकर

वक्त पर आपकी मदद किसी की जिंदगी बचा सकती है। यह बात आपके परिवार वालों को आपके ऊपर गर्व करने की वजह देगी और उन्हें प्रेरित करेगी। हर रोज प्रेम में पड़ने की अपनी आदत को बदलिए।

कुम्भ

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। पारिवारिक परेशानियों को हल करने में आपका बच्चों जैसा मासूम बर्ताव अहम किरदार अदा करेगा।

मीन

किसी धार्मिक समारोह में जाने का प्लान बनेगा। आस-पास का वातावरण आपके अनुकूल रहेगा। धन लाभ के योग बन रहे हैं। विदेश में पढ़ाई की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए समय ठीक है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी का हुआ ब्रेकअप

बॉलीवुड | मसाला

सिद्धार्थ मल्होत्रा और एक्ट्रेस कियारा आडवाणी को एक साथ देखना फैंस बहुत पसंद करते हैं। शेरशाह फिल्म में तो दोनों की जोड़ी को दर्शकों का खूब प्यार मिला ही, लेकिन ऑफ स्क्रीन भी फैंस इन पर खूब प्यार लूटाते हैं। पिछले काफी समय से ऐसी खबरे आ रही थीं कि कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। इसी बीच अब फैंस के दिलों को तोड़ने वाली खबर आ रही है और वो ये है कि सिद्धार्थ और कियारा ने एक दूसरे से अलग होने का फैसला ले लिया है। रिपोर्ट्स की मानें तो सिद्धार्थ और कियारा की राहें जुदा हो चुकी हैं।

अब ये कपल एक दूसरे से नहीं मिलते हैं। हालांकि इनके बीच क्या बातें हुए हैं, ये तो नहीं पता, लेकिन इनके ब्रेकअप से फैंस को तगड़ा झटका जरूर लगेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हर कोई यही उम्मीद लगाए बैठा था कि बाकी सेलेब्स की तरह ही कियारा और सिद्धार्थ भी जल्द ही शादी के बंधन में बंध जाएंगे। हालांकि ये कहना गलत नहीं होगा कि जो भाग्य को मंजूर होता है वही होता है। बता दें बेशक दोनों के डेटिंग की खबरें लंबे समय से आ रही हों, लेकिन कियारा और सिद्धार्थ ने कभी भी ऑफिशियल तौर पर इस बात को स्वीकार नहीं किया था। अक्सर दोनो को डिनर डेट और वेकेशन पर जाते हुए स्पॉट किया जाता था। वर्क फ्रंट की बात करें तो कियारा आडवाणी जल्द ही भूलभुलैया 2 में कार्तिक आर्यन के संग नजर आने वाली हैं। ये फिल्म 20 मई को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म के अलावा कियारा आडवाणी गोविंदा नाम मेरा और जुग-जुग जियो में दिखाई देंगी।

'इंडियन पुलिस फोर्स' में शिल्पा लगाएंगी एक्शन का तड़का

डायरेक्टर रोहित शेट्टी की वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी भी दमदार किरदार में देखी जाएंगी। एक्ट्रेस का 'इंडियन पुलिस फोर्स' में स्वागत करते हुए रोहित शेट्टी ने एक पोस्ट शेयर किया है। बता दें कि इस सीरीज के जरिए शिल्पा शेट्टी डिजिटल प्लेटफॉर्म में कदम रखने जा रही हैं। 'इंडियन पुलिस फोर्स' की टीम में शिल्पा शेट्टी का स्वागत करते हुए रोहित शेट्टी ने उनके लुक का खुलासा किया है। शिल्पा के लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- स्काड में आपका स्वागत है शिल्पा! गन बैटल, हैंड टू हैंड कॉम्बैट, हाई स्पीड चेज और हां के साथ उड़ती हुई कारों के लिए तैयार हो जाइए। इंडियन पुलिस फोर्स। बता दें कि रोहित के इस सीरीज में एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा भी हैं। शिल्पा से पहले सिद्धार्थ का लुक शेयर कर डायरेक्टर ने इस सीरीज के बारे में लोगों का बताया था। रोहित के पहले पोस्टर में सिद्धार्थ मल्होत्रा इंटेंस कॉप अवतार में देखे गए थे। अब सिद्धार्थ की तरह शिल्पा भी पुलिस ऑफिसर बनकर अपना एक्शन अवतार दिखाएंगी। पोस्टर में शिल्पा इंटेंस कॉप लुक शानदार लग रही हैं। वह हाथ में बंदूक लिए कमांडो लुक में एकदम धांसू दिखाई दे रही हैं। मजेदार बात ये है कि रोहित शेट्टी भी इस फिल्म के जरिए ओटीटी की दुनिया में रखने जा रहे हैं। बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के बाद अब वह ओटीटी की दुनिया में धूम मचाएंगे। वहीं शिल्पा भी इस सीरीज से ओटीटी पर डेब्यू करने जा रही हैं। ऐसे में सीरीज को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त बज बन चुका है। बता दें कि रोहित शेट्टी सिंघम, सिंबा और सूर्यवंशी जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उनकी अधिकतर फिल्में पुलिस फोर्स पर आधारित होती हैं। उनकी आगामी 'इंडियन पुलिस फोर्स' भी पुलिस फोर्स पर बेस्ड है। बताया जा रहा है कि सीरीज में शिल्पा दमदार पुलिस अफसर बनी हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

रवीना टंडन ने किया खुलासा, कहा-

करियर की शुरुआत में स्टूडियो में करती थी साफ-सफाई

रवीना टंडन ने 30 साल पहले साल 1991 में आई फिल्म 'पत्थर के फूल' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। तब से वह एक लंबा सफर तय कर चुकी हैं। हाल ही में रवीना को 'केजीएफ चैप्टर 2' में देखा गया। 'लाडला' हो या 'अंदाज अपना अपना', अपनी हर फिल्म के साथ रवीना ने खुद को साबित किया है, लेकिन रवीना को भी ये सब आसानी से नहीं मिला। हर सफल व्यक्ति की तरह उन्हें भी काफी स्ट्रगल करना पड़ा, जिसका खुलासा उन्होंने हाल के अपने एक इंटरव्यू में किया है। इंटरव्यू में रवीना ने बताया कि वह फिल्म इंडस्ट्री में सिर्फ 'डिफॉल्ट' ही हैं। रवीना टंडन ने एक्ट्रेस बनने के अपने सफर के बारे में बताया कि भले ही वह एक फिल्मी परिवार से आती हों, लेकिन उन्हें अपने करियर की शुरुआत स्टूडियो के फर्श पर उल्टियों की साफ-सफाई से करनी पड़ी थी। रवीना ने आगे बताया कि उन्होंने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था और इसीलिए उन्होंने कहा कि वह केवल 'डिफॉल्ट' से ही इंडस्ट्री में हैं। रवीना ने कहा यह सच है। मैंने अपने करियर की शुरुआत स्टूडियो में साफ-सफाई का काम करते हुए की थी। मेरा काम बाथरूम और स्टूडियो की जमीन से उल्टियां साफ करना था। मैंने प्रहलाद कक्कड़ को शायद 10वीं क्लास से निकलने के बाद असिस्ट किया था। तब लोग मुझे कहते थे कि तुम कैमरे के पीछे क्या कर रही हो। तुम्हें स्क्रीन के सामने होना चाहिए। और मैं कहती थीं, नहीं नहीं। मैंने यहां आते हुए कभी नहीं सोचा था कि मैं अभिनेत्री बनूंगी। रवीना टंडन ने उन दिनों के बारे में भी बात की जब वह प्रहलाद कक्कड़ के साथ इंटर्न कर रही थीं और खुलासा किया कि कई बार जब कोई मॉडल प्रहलाद के सेट पर नहीं आती थी, तो वह कहते थे कि 'रवीना को बुलाओ। वहीं से मेरा करियर चमका।

शख्स ने 23 लाख में खरीदा काला घोड़ा घर लाकर नहलाते ही हो गया लाल!

आज के समय में अगर आप मार्केट में कुछ खरीदने जा रहे हैं, तो सावधानी बहुत जरूरी है। अगर आप सावधान नहीं हैं तो आपके साथ धोखा हो सकता है। पंजाब में रहने वाले एक शख्स के साथ ऐसी ही धोखबाजी हो गई, जिसके कारण अब वो अपना माथा ठोंक रहा है। शख्स ने करीब 23 लाख में एक व्यापारी से काले रंग का घोड़ा खरीदा। लेकिन जैसे ही वो घोड़े को घर लेकर आया और इसे नहलाया, वैसे ही ये घोड़ा लाल रंग का हो गया। घोड़ों का गहरे काले रंग का होना काफी रेयर होता है। घोड़े या तो काले के साथ किसी अन्य रंग में मिक्स होते हैं। जो सिर्फ काले रंग के होते हैं, उनकी कीमत काफी ज्यादा हो जाती है। बाकी रंगों या मिक्स कलर के घोड़े काले के कम्पेरिजन में सस्ते मिलते हैं। काले घोड़े को खरीदने का शौक पंजाब के रहने वाले रमेश कुमार का महंगा पड़ गया। रमेश ने 23 लाख में काले रंग का घोड़ा खरीदा और उसे लेकर घर ले आए। लेकिन उन्हें ये नहीं ता था कि उनके साथ धोखा हो चुका है। पंजाब के सुनाम शहर के संगरूर में रहने वाले रमेश कुमार ने एक व्यापारी से घोड़ा खरीदा था। इस सौदे में तीन लोग शामिल थे। तीनों ने मिलकर 23 लाख रुपए में रमेश कुमत काला घोड़ा बेचा था। लेकिन रमेश कुमार समझ नहीं पाया कि इस सौदे में धोखेबाजी छिपी हुई है। जैसे ही घर लाने के बाद रमेश ने घोड़े को नहलाया, नीचे काले रंग की धार बह गई। व्यापारियों ने लाल रंग के घोड़े पर काला पेंट चढ़ाकर उसे बेच दिया था। पहली बार नहलाते ही ये धोखा सामने आ गया। इस सौदेबाजी में रमेश ने व्यापारियों को 7 लाख 60 हजार कैश दिया था। बाकी के अमाउंट के दो चेक रमेश ने उन्हें दिए थे। यानी कुल मिलकर व्यापारियों को 23 लाख की पेमेंट की गई थी। इस मामले के सामने आने के बाद शख्स ने तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी है। पुलिस अब चार सौ बीसी के मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है।

अजब-गजब | जानिए किसकी थी कितनी सैलरी

मुगल शासन में रानियों और शहजादियों को मिलता था वेतन

आमतौर पर घर पर रहने वाली महिलाओं को किसी तरह का वेतन नहीं मिलता है, लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि पहले ऐसा नहीं था। दरअसल, मुगल शासन में रानियों, शहजादियों और हरम में रहने वाली स्त्रियों को वेतन दिया जाता था। इस काम की शुरुआत भारत में मुगल सल्तनत की स्थापना के साथ बाबर ने की थी। शाही हरम में प्रवेश करने वाली हर स्त्री को उसकी स्थिति के अनुसार आजीविका भत्ता दिया जाता था, जिनमें औरंगजेब ने बहन जहांआरा बेगम का नाम सबसे ऊपर आता है। जहांआरा बेगम का सालाना वेतन इतना था ये जानकर आपकी आंखें खुली की खुली रह जाएंगी। सबसे अधिक वेतन होने के बाद भी औरंगजेब उसका वेतन बढ़ाता गया। इस बात की जानकारी भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद की शोध पत्रिका इतिहास के अंक में एक विस्तृत लेख में दी गई है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि किस तरह मुगल बादशाह महिलाओं के लिए वेतन की व्यवस्था करते थे। इसका भुगतान कैसे किया जाता था। आमतौर पर शाही महिलाओं को नकद वेतन दिए जाते थे। वहीं जिन महिलाओं का वेतन अपेक्षाकृत अधिक होता था, उन्हें आधी राशि नकद

में दी जाती थी, जबकि शेष राशि के बराबर जागीर और चुंगी के अधिकार दिए जाते थे।

बाबर ने की थी इसकी शुरुआत

इस काम की शुरुआत बाबर ने इब्राहिम लोदी की मां से की थी। जिन्हें जागीर के रूप में एक परगना आवंटित की गई थी। इसकी वार्षिक आय 7 लाख रुपए से भी अधिक थी। ये बात बाबर के बाद से ये सभी मुगल बादशाहों ने किया।

जहांआरा को मिलता था कितना वेतन?

वहीं जहांआरा बेगम के वेतन के बारे में बात की जाए तो, शाहजहां की बेटी और औरंगजेब की बहन जहांआरा को मां मुमताज की मृत्यु के बाद उसकी संपत्ति का आधा हिस्सा मिल गया था, जिसकी कीमत 50 लाख रुपए के करीब आंका गया है। आपको जानकर हैरानी होगी कि शुरू में जहांआरा को सालाना वेतन के तौर पर 7 लाख रुपए मिलते थे। जहांआरा बादशाह और भाई औरंगजेब की सबसे विश्वासपात्र थी। ऐसे में उनके वेतन में लगातार बढ़ोतरी की गई, जिसके बाद उसका सालाना वेतन 17 लाख रुपये तक हो गया। मुगल सल्तनत में सबसे ज्यादा खर्चीली जहांआरा ही थी, जो बेहद शानो शौकत के साथ की जिंदगी जी

जैबुन्निसा को कितना वेतन देता था औरंगजेब?

वहीं औरंगजेब की बेटी जैबुन्निसा बेगम को सालाना 4 लाख रुपये वेतन मिलता था, लेकिन जब औरंगजेब अपनी बेटी से नाराज हो गया था, तो उसने ये रोक दिया था। खास बात ये है कि मुगल काल में ज्यादातर बादशाहों की बेगम व्यापार में खूब दिलचस्पी लेती थीं। खासतौर पर विदेश के साथ होने वाले व्यापार में उनका अहम हिस्सा हुआ करता था। इसमें नूरजहां सबसे आगे थीं। विदेशों के साथ होने वाले कपड़ों और नील के व्यापार में नूरजहां पैसा लगाती थीं और काफी मुनाफा भी कमाती थीं।

सपा आजम के साथ, जमानत के लिए करेंगे प्रयास : अखिलेश

» आजम खां विवाद पर सपा प्रमुख ने रखी अपनी बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजम खान को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया है। पूर्व सीएम ने आजम विवाद पर चुप्पी तोड़ते हुए पहली बार कहा समाजवादी पार्टी आजम खान के साथ है। हालांकि सीतापुर जेल में सपा प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करने पर आजम के इनकार करने पर सफाई देते हुए अखिलेश ने कहा कि इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

उन्होंने कहा कि आजम से मिलने के लिए उन्होंने किसी को नही भेजा है और न ही उनकी जानकारी में है। उन्होंने कहा कि आजम खान की जमानत के लिए समाजवादी पार्टी प्रयास करेगी। दो दिन पहले सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव आजम खां से मिलने के लिए जेल पहुंचे थे। मुलाकात के बाद उन्होंने बयान दिया था कि अखिलेश यादव आजम की जमानत के लिए प्रयास नहीं कर रहे हैं। अगर सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव प्रदर्शन करते तो जरूर आजम को जमानत मिल जाती पर इसके लिए प्रयास नहीं किए गए। शिवपाल के इस बयान से हड़कंप मच गया। रविवार को सपा नेता रविदास मेहरोत्रा सीतापुर जेल गए थे पर आजम से उनकी मुलाकात नहीं हो सकी। बताया जा रहा है कि आजम खां ने मिलने से इनकार कर दिया।

ध्वस्त है कानून व्यवस्था, सदन में उठाएंगे मामला

अमेठी जिले के मोहनगंज थाने के सरकारी आवास में फंदे से लटकी मिली महिला दरोगा के परिजनों से सपा अध्यक्ष ने मुलाकात की। उन्होंने पीड़ित परिवार को ढांढ़स बंधाने के साथ ही न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि महिला दरोगा की मौत पर समाजवादी पार्टी सदन में सरकार के सामने सवाल उठाएगी। अखिलेश ने कहा कि लखनऊ में ही पुलिस की जीप से लड़के को कुचल कर मार दिया गया। आवाज उठाने ओर परिजनों को जेल भेजने की धमकी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आवाज उठाने वालों का मुंह बंद कराना चाह रही है।

अखिलेश रविवार को लखनऊ के गोसाईगंज इलाके में महिला उपनिरीक्षक रश्मि यादव के परिजनों से मिलने के लिए गए थे। मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग पर राजनीतिक दबाव है। पुलिसकर्मियों का राजनीतिक इस्तेमाल किया जा रहा है और उनकी मदद से सरकार कानून व्यवस्था को लेकर अपनी नाकामियां छिपा रही है।

यूपी में बंद होंगे बिना मान्यता चल रहे विद्यालय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में बिना मान्यता के संचालित प्राथमिक और जूनियर हाई स्कूलों को बंद किया जाएगा। बंद करने से पहले उन विद्यालयों के बच्चों को पड़ोसी राजकीय, सहायता प्राप्त या वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालय में प्रवेश दिलाया जाएगा। इस संबंध में बेसिक शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किए हैं।

निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार कानून-2009 के तहत बिना मान्यता के कोई भी स्कूल संचालित नहीं हो सकता है। स्कूल चलो अभियान के दौरान फीडबैक मिला है कि बड़ी संख्या में बिना मान्यता के प्राथमिक विद्यालय संचालित हो रहे हैं। बेसिक शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक गणेश कुमार ने इस फीडबैक के बाद सभी बीएसए को बिना मान्यता के चल रहे विद्यालयों को बंद कराने और संचालकों से एक लाख जुर्माना वसूलने के निर्देश दिए हैं। बिना मान्यता या मान्यता निरस्त होने के बाद भी विद्यालय संचालित करने वाले संचालकों से जुर्माना वसूलने को कहा गया है।

फोटो : 4पीएम

श्रद्धांजलि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नन्दन बहुगुणा की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। साथ में मौजूद मेयर संयुक्ता भाटिया, प्रयागराज सांसद रीता बहुगुणा जोशी, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह व अन्य नेतागण।

महापौर भाटिया के प्रयासों से निगम में आधी आबादी को मिला आधा हिस्सा

» 4 में से 3 महिला पार्षद बनी नगर निगम कार्यकारिणी समिति की सदस्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम में सम्पन्न हुए नगर निगम कार्यकारिणी समिति के चुनाव में 4 पर भाजपा एवं 2 सीटों पर सपा का कब्जा बरकरार रहा। इसके साथ ही दो नए रिकॉर्ड भी बने। एक तो पहली बार 4 महिलाओं को कार्यकारिणी में स्थान मिला तो वहीं महापौर संयुक्ता भाटिया के कार्यकाल में नगर निगम कार्यकारिणी एवं एलडीए बोर्ड के समस्त चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुए।

कार्यकारिणी समिति के चुनाव में 4 भाजपा के सदस्य मिथिलेश चौहान, रेखा सिंह, शशि गुप्ता, मनोज अवस्थी, तो वही सपा के दो सदस्य – अयाजुर रहमान और जगलाल यादव निर्विरोध निर्वाचित हुए। जबकि रुपाली गुप्ता को कार्यकारिणी में भाजपा की ओर से पहले ही महापौर ने सदस्य बनाया था। अब वर्तमान कार्यकारिणी समिति में भाजपा के 8 सदस्यों में से 50 फीसदी महिला सदस्य काबिज हो गयी है। इसी तरह महापौर संयुक्ता भाटिया के कार्यकाल में नगर निगम के 8 जोनो में से 4 जोनों में यानी 50 फीसदी पर महिला जोनल अधिकारी कार्य कर रही है। कौशलेन्द्र द्विवेदी उपनेता भाजपा पार्षद दल ने कहा कि जो दल सिर्फ दिखावे के लिए महिलाओं के हक की बात करते है उनको देखना चाहिए कि मोदीजी एवं योगीजी के मार्गदर्शन में माननीया संयुक्ता भाटिया जी के नेतृत्व में लखनऊ नगर निगम में महिला सशक्तिकरण का आदर्श प्रस्तुत कर समस्त राजनीतिक दलों को आइना दिखाया है और एक नया इतिहास रचा है। रजनीश गुप्ता, पूर्व उपाध्यक्ष कार्यकारिणी समिति ने कहा कि भाटिया के सफल नेतृत्व में आज का दिन स्वर्णिम इतिहास का रहा।

चारधाम यात्रा के लिए एक लाख से अधिक यात्रियों ने कराया पंजीकरण

» इस बार जारी किया जा रहा क्यूआर कोड सिस्टम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। प्रदेश में तीन मई से शुरू हो रही चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण ने रफ्तार पकड़ ली है। अब तक एक लाख से अधिक तीर्थयात्री ऑनलाइन पंजीकरण करा चुके हैं। इसमें केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए सबसे अधिक यात्रियों ने पंजीकरण कराया है। इस बार चारधाम यात्रा में भारी संख्या में तीर्थ यात्रियों के आने की उम्मीद है। तीन मई को अक्षया तृतीया के दिन गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुल रहे हैं। जबकि 6 मई को केदारनाथ और 8 मई को बदरीनाथ धाम के कपाट खुलेंगे।

पर्यटन विभाग ने चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पंजीकरण की व्यवस्था अनिवार्य की है। बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री धाम की यात्रा करने के लिए तीर्थयात्री और श्रद्धालु पर्यटन विभाग की वेबसाइट registrationandtouristcare.uk.gov.in पर ऑनलाइन पंजीकरण कर रहे हैं। इस बार पंजीकरण के साथ ही यात्री को क्यूआर कोड भी जारी किया जा रहा है। यात्रियों को क्यूआर कोड जारी होने से न केवल यह पता लग सकेगा कि पंजीकरण करने वाले यात्री ने दर्शन किए हैं या नहीं, बल्कि तीर्थयात्रियों और उनके वाहनों को आसानी से ट्रैक किया जा सकेगा।

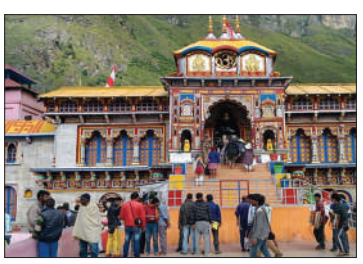

ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीकरण की व्यवस्था

पर्यटन सचिव दिलीप जावलकर कहते हैं कि कोविड महामारी से स्थिति सामान्य होने के बाद इस बार बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद है। यात्रा में आने वाले यात्रियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। पंजीकरण करने वाले तीर्थयात्रियों का डाटा संबंधित जिलों के डीएम व एसएसपी के साथ साझा किया जा रहा है। इससे स्थानीय प्रशासन को इस बात की जानकारी रहेगी कि किस दिन कितने तीर्थयात्री वहां पहुंच रहे हैं। इससे उन्हें स्थानीय स्तर पर व्यवस्था बनाने में मदद मिलेगी और तीर्थयात्री भी बिना किसी परेशानी के मंदिरों में दर्शन कर सकेंगे।

लामार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज पहुंचा कोरोना, मचा हड़कंप

» कॉलेज में दो बच्चे संक्रमित, दो दिन के लिए कॉलेज बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में कोरोना संक्रमण बढ़ने लगा है। कल लामार्टिनियर गर्ल्स कालेज में दो छात्राओं की रिपोर्ट पाजिटिव आई। इससे कॉलेज में हड़कंप मच गया। कॉलेज प्रशासन ने इसकी सूचना जिला प्रशासन को दी। साथ ही 25 और 26 अप्रैल को कालेज बंद कर दिया है।

कोरोना संक्रमण का पता लगाने के लिए प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान 1,13,162 नमूनों की जांच की गई, जिसमें कोविड के 213 नये मरीज सामने आए हैं। नए मरीजों की संख्या बढ़ने से प्रदेश में अब कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 1199 हो गई है। लखनऊ के जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने बताया कि दो छात्राएं कोविड पाजिटिव मिली हैं। इसलिए निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार कांटैक्ट ट्रेसिंग कराते हुए टेस्टिंग भी कराई जाएगी। स्कूल में सेनेटाइजेशन की कार्यवाही की जा रही है। जिलाधिकारी ने आम जनमानस से अपील की है कि शारीरिक दूरी का पालन करें। सार्वजनिक स्थानों, स्कूल बाजारों आदि में निकलने से पहले मास्क का प्रयोग अवश्य करें। यदि लक्षण प्रतीत होते हैं, तो तत्काल अपनी टेस्टिंग कराए। लामार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज की प्रिंसिपल आश्रिता दास ने बताया कि अभिभावकों ने दो छात्राओं के कोविड पाजिटिव होने की जानकारी दी थी। हमनें जिला प्रशासन को तुरंत सूचित कर दिया था। दो दिन के लिए कालेज बंद कर दिया है।

यूपी के निकाय चुनावों को मजबूती से लड़ेगा रालोद : जयंत चौधरी

» गुड़ और पापड़ पर जीएसटी का होगा विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आरएलडी मुखिया जयंत चौधरी ने कहा कि जीएसटी काउंसिल द्वारा गुड़ और पापड़ पर जीएसटी लगाने का रालोद विरोध करेगा। इसे किसानों और कुटीर उद्योग पर बड़ी मार बताया गया। तय किया गया कि हर मोर्चे पर आरएलडी पार्टी इस निर्णय का विरोध करेगी।

दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में हुई रालोद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बढ़ती महंगाई पर चिंता जताई गई। तय हुआ कि राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) आगामी उप्र नगर निकाय का चुनाव मजबूती से लड़ेगा। प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ रालोद का गठबंधन बरकरार रहेगा। रालोद के राष्ट्रीय सचिव अनिल दुबे ने बताया कि विधानसभा चुनाव के नतीजों की

समीक्षा के लिए गठित कमेटी ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट रखी, जिसमें प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के हर बूथ तक प्रभावी संगठन बनाने की बात कही गई। तय किया गया कि एक मई से पार्टी का फंड रेजिंग व सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। छह मई के बाद प्रत्येक विधानसभा सीट की आम जनता से रालोद नेता संवाद करेंगे। इसके अलावा भाजपा पर उन्माद फैलाने का आरोप लगाते हुए बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने निंदा प्रस्ताव पारित किया और निंदा की गई। रालोद नेताओं ने कहा कि सांप्रदायिक और विघटनकारी ताकतों को हराने के लिए धर्म निरपेक्ष ताकतों को लंबी लड़ाई लड़नी होगी। तभी हम भाजपा को रोक पाएंगे, भाजपा सांप्रदायिकता को बढ़ावा दे रहा है।

लोक सहायक एप शुरू होगा

इससे पहले अगले सप्ताह रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह सभी विधानसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों से मिलेंगे। जनता की शिकायतों और समस्याओं तक सीधे पहुंचने के मकसद से लोक सहायक एप शुरू करने का निर्णय लिया है। सारथी प्रोजेक्ट की रूपरेखा पर भी विचार हुआ। इसके तहत राजनीति में रुचि रखने वाले पढ़े-लिखे युवाओं को प्रशिक्षण देकर छह माह के लिए रालोद विधायकों के साथ काम करने का मौका दिया जाएगा।

महंत नृत्य गोपाल दास की हालत नाजुक मेदांता में चल रहा इलाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की स्वास्थ्य एक बार फिर बिगड़ गया है। आनन-फानन में उनको लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। किडनी में इन्फेक्शन के चलते महंत का कई दिनों से स्वास्थ्य ठीक नहीं रह रहा था। कल रूटीन डॉक्टरों की देखरेख में उन्हें रूटीन चेकअप के लिए लखनऊ भेजा गया था, लेकिन यहां उनकी हालत अचानक बिगड़ गई।

डॉक्टरों की जांच पड़ताल में पता चला है कि महंत की किडनी में इन्फेक्शन है। इसके चलते उनको पेशाब की नली में भी परेशानी हो रही थी। इसके बाद डॉक्टरों की सीनियर टीम के संरक्षण में उन्हें मेदांता के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया है। बता दें कि बीते दिनों कृष्ण जन्मभूमि मथुरा में कृष्ण जन्मोत्सव के दौरान महंत नृत्यगोपाल दास कोरोना पॉजिटिव मिले थे, तब से वह लगातार बीमार चल रहे हैं। महंत नृत्य गोपाल दास को पिछले साल अक्टूबर में भी मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका है। तब भी जांच में उनकी पेशाब और फेफड़ों में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। इसके बाद डॉक्टरों ने उपचार शुरू कर दिया था।

कांग्रेस का भाजपा पर बड़ा हमला, कहा

गुड़ व पापड़ पर जीएसटी बढ़ाने का प्रस्ताव जनता के साथ क्रूर मजाक

» कहा- पार्टी की अगुवाई वाली सरकारें करेंगी विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुड़, पापड़ सहित करीब 143 वस्तुओं पर जीएसटी बढ़ाने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है। कांग्रेस ने कहा है कि यह जनता के साथ मजाक और क्रूरता है। कांग्रेस ने सबसे ज्यादा आपत्ति गुड़ और पापड़ को जीएसटी के दायरे में लाने जाने के प्रस्ताव जताई है। अभी तक यह दोनों ही चीजें जीएसटी के दायरे से बाहर थी। ऐसे में आने वाले दिनों में इनका भी महंगा होना तय है।

कांग्रेस ने कहा कि राज्य की उनकी सरकारें केंद्र के इस प्रस्ताव का विरोध करेंगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद अभिषेक मनु सिंघवीं ने केंद्र सरकार के इस प्रस्ताव पर कड़ी आपत्ति जताई और तंज कसा कि जीएसटी बढ़ाने का प्रस्ताव कर मोदी सरकार ने जनता पर एक और बोझ डालने की तैयारी कर ली है। जिसमें आम आदमी अब न गुड़ खा पाएगा और ही न पापड़। सिंघवीं ने कहा कि सरकार ने जिन वस्तुओं पर जीएसटी बढ़ाने का प्रस्ताव किया है, उनमें ज्यादातर वस्तुएं आम लोगों से दैनिक उपयोग से जुड़ी है। इनमें गुड़ और पापड़ पर पांच फीसदी टैक्स लगाने का कोई औचित्य नहीं है। अभी तक यह जीएसटी के दायरे से मुक्त थी।

चंपावत उपचुनाव की जंग : सीएम धामी की जीत में कांग्रेस बनेगी रोड़ा!

» धामी को जिताने के लिए भाजपा चंपावत उपचुनाव की तैयारियों में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चंपावत सीट से उप चुनाव लड़ने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी है। इस संबंध में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष, उत्तराखंड मामलों के प्रभारी दुष्यंत गौतम, प्रदेश सहप्रभारी रेखा वर्मा और मुख्यमंत्री समेत अन्य नेताओं के साथ प्रदेश पार्टी अध्यक्ष मदन कौशिक ने बैठक की।

इस बैठक के बाद कौशिक ने बताया कि धामी को चंपावत से बड़े अंतर से जिताने के लिए रूपरेखा तैयार कर ली गयी है। वहीं सीएम धामी की जीत में कांग्रेस रोड़ा बन गई है। कांग्रेस सीएम धामी के खिलाफ कद्दावर नेता को मैदान में उतारेगी, ताकि भाजपा से यह सीट छीन सके। साथ ही सीएम धामी को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़े। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि चंपावत उप चुनाव के लिए पार्टी ने प्रदेश सहप्रभारी रेखा वर्मा की अध्यक्षता में एक टीम गठित की गई है, जिसके संयोजक धामी के लिए सीट छोड़ने वाले पूर्व विधायक कैलाश गहतोड़ी होंगे। बैठक में प्रदेश की उन 23 सीट की भी समीक्षा की गयी जिन पर भाजपा को फरवरी में विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा को प्रदेश की 70 में से 47 सीट पर जीत हासिल हुई थी। कौशिक ने कहा कि मई में 15 दिनों का जनसंपर्क अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

धामी को खटीमा से मिली थी हार

विधानसभा चुनाव में खटीमा में मिली पराजय के बाद धामी को मुख्यमंत्री बने रहने के लिए शपथ ग्रहण करने के छह माह के भीतर उपचुनाव लड़कर विधानसभा का सदस्य बनना होगा। जबकि गहतोड़ी के चंपावत सीट से त्यागपत्र देने के बाद मुख्यमंत्री का वहां से उपचुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया। हालांकि अभी उपचुनाव की घोषणा नहीं हुई है।

घर बनवा रहे हो तो गलती से भी जैक्वार कंपनी का सामान मत लगवाइएगा अपने बाथरूम में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» जैक्वार कंपनी के उपकरण बहुत जल्दी हो रहे हैं खराब
» खराब होने पर कोई शिकायत नहीं सुनता जैक्वार कंपनी में
» कंपनी के बड़े अफसर नरेश अग्रवाल से भी शिकायत करने का कोई फायदा नहीं

लखनऊ। अगर आप घर बना रहे हैं और अपने बाथरूम में किसी अच्छी कंपनी का प्रोडक्ट लगाने जा रहे है तो कम से कम जैक्वार कंपनी का कोई भी प्रोडक्ट मत लगवाइएगा। क्योंकि कई लोग जैक्वार कंपनी के प्रोडक्ट से परेशान है। राजधानी लखनऊ में गोमती नगर विस्तार निवासी बबिता इस प्रोडक्ट को लगवा कर इतना दुखी हो चुकी है कि वे इसे अपने घर से हटवा कर उपभोक्ता फोरम में इसकी शिकायत करने जा रही है।

दरअसल जब आप जैक्वार का कोई भी सामान खरीदने जाएंगे तो आपको बड़े बड़े वादे किए जाएंगे। बताया जाएगा कि यह प्रोडक्ट बहुत अच्छा है। यह प्रोडक्ट दस बीस सालों तक खराब नहीं होगा। अगर हमारे प्रोडक्ट में कोई कमी आ गयी तो तुरंत हमारा आदमी इसे चेंज करेगा या सही करेगा। मगर यह हकीकत इससे कोसों दूर है। ऐसी ही बातों में फंस कर बबिता ने अपने घर के बाथरूम में जैक्वार की फीटिंग करा ली। कुछ समय बाद ही इसमें परेशानी आने लगी। मगर अब शिकायतों को सुनने वाला जैक्वार कंपनी में कोई नहीं था। लगातार कस्टमर केयर पर फोन और मेल करने पर भी कोई सुनवाई नहीं हुई।

कंपनी के बड़े अधिकारी नरेश अग्रवाल को भी उन्होंने कई बार फोन किया और मैसेज किया पर कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने अपने बाथरूम से इसको हटाने का फैसला किया। यही नहीं, उन्होंने जैक्वार कंपनी के खिलाफ उपभोक्ता फोरम में भी जाने का मन बना लिया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।